भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2225

09 अगस्त, 2024 को उत्तर के लिए

हिमाचल प्रदेश में इस्पात संयंत्र की स्थापना

2225. डा. सिकंदर कुमार:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हिमाचल प्रदेश में कुल कितने इस्पात संयंत्र हैं और वर्तमान में कौन-कौन से इस्पात संयंत्र कार्यशील है;

(ख) क्या इस्पात प्रसंस्करण इकाइयों (एसपीयू) की स्थापना के परिणामस्वरूप इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए निवेश हुआ है और यदि हां, तो हिमाचल प्रदेश में इस्पात की खपत बढ़ाने के लिए अब तक कुल कितना निवेश किया गया है;

(ग) क्या सरकार रोजागर के अवसर पैदा करने के लिए भविष्य में हिमाचल प्रदेश में नए इस्पात संयंत्रों की स्थापना करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो उक्त इस्पात संयंत्रों को कब तक स्थापित किए जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा)**

(क) हिमाचल प्रदेश में 28 इस्पात संयंत्र प्रचालन में हैं। हिमाचल प्रदेश में प्रचालित इस्पात संयंत्रों की सूची **अनुलग्नक** में दी गई है।

(ख) से (घ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। सरकार इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए अनुकूल नीतिगत वातावरण सृजित करके एक सुविधाप्रदाता की भूमिका निभाती है। इस्पात कंपनियों द्वारा इस्पात संयंत्रों की स्थापना बाजार की गतिशीलता, कच्ची सामग्री के लिए लॉजिस्टिक तथा अन्य वाणिज्यिक व्यवहार्यताओं के आधार पर की जाती है। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), इस्पात मंत्रालय का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसई) है जिसकी एक स्टील प्रोसेसिंग यूनिट (एसपीयू) कंदरोरी में स्थित है जहां पर बिलेट को टीएमटी बार्स में परिवर्तित किया जाता है। एसपीयू कंदरोरी, हिमाचल प्रदेश में 76.85 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है।

जारी....2/-

सरकार ने एक सुविधाप्रदाता के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों (हिमाचल प्रदेश सहित) में इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:-

i. गति-शक्ति मास्टर प्लान, विनिर्माण क्षेत्र के लिए "मेक इन इंडिया" पहल तथा सरकार की अन्य प्रमुख योजनाओं के माध्यम से अवसंरचनात्मक विकास के लिए सरकार का प्रयास हिमाचल प्रदेश सहित देश में इस्पात की मांग एवं खपत को बढ़ावा देता है।

ii. इस्पात मंत्रालय ने इस्पात के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना के एक हिस्से के रूप में स्ट्रक्चरल इस्पात का उपयोग करते हुए आंगनवाड़ियों तथा घरों के टाइप डिजाइनों के विकास के लिए परियोजना की शुरूआत की है।

iii. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) तथा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) जैसे इस्पात सीपीएसई ने ग्रामीण डीलरों को नियुक्त किया है तथा इस्पात के उपयोग के लाभों के संबंध में विशेष रूप से ग्रामीण भारत को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रोत्साहित करने संबंधी विभिन्न गतिविधियों में भी शामिल किया है।

*****

अनुलग्नक-I

हिमाचल प्रदेश में वर्तमान में प्रचालित इस्पात संयंत्र	
क्र.सं.	**नाम**
1	ए बी टूल्स प्राइवेट लिमिटेड
2	आदित्य इंडस्ट्रीज
3	अग्रवाल स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
4	अम्बा इंडस्ट्रीयल कॉर्पोरेशन
5	अम्बा शक्ति इस्पात लिमिटेड
6	फ्रेंड्स अलॉय
7	गोयल फर्नेस प्राइवेट लिमिटेड
8	एच एम स्टील्स लिमिटेड
9	हाई-टेक इंडस्ट्रीज
10	आई डी सूद इस्पात प्राइवेट लिमिटेड
11	जे बी रोलिंग मिल्स लिमिटेड
12	जयसवाल मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड
13	जय अय अलॉयज प्रा. लिमिटेड
14	कुंडलस लोह उद्योग
15	माँ भनभोरी स्टील एंड अलॉय
16	माउंटेन स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड
17	प्राइम स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
18	रेडियंट कास्टिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
19	रेनी स्टील्स
20	साबू टोर प्रा. लिमिटेड यूनिट-1
21	साल्सन स्टील प्राइवेट लिमिटेड
22	श्री पार्वती स्टील एंड अलॉयज
23	श्री सिद्धिविनायक फोर्जिंग प्राइवेट लिमिटेड
24	सूरज फैब्रिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
25	टिम्को स्टील कंपनी
26	वैली आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड यूनिट-II
27	वर्धमान इस्पात उद्योग
28	वशिष्ट अलॉयज
स्रोत : संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी), वित्त वर्ष 2023-24 (अनंतिम)	

*****